मौं ढ़ाँकें फरिया में

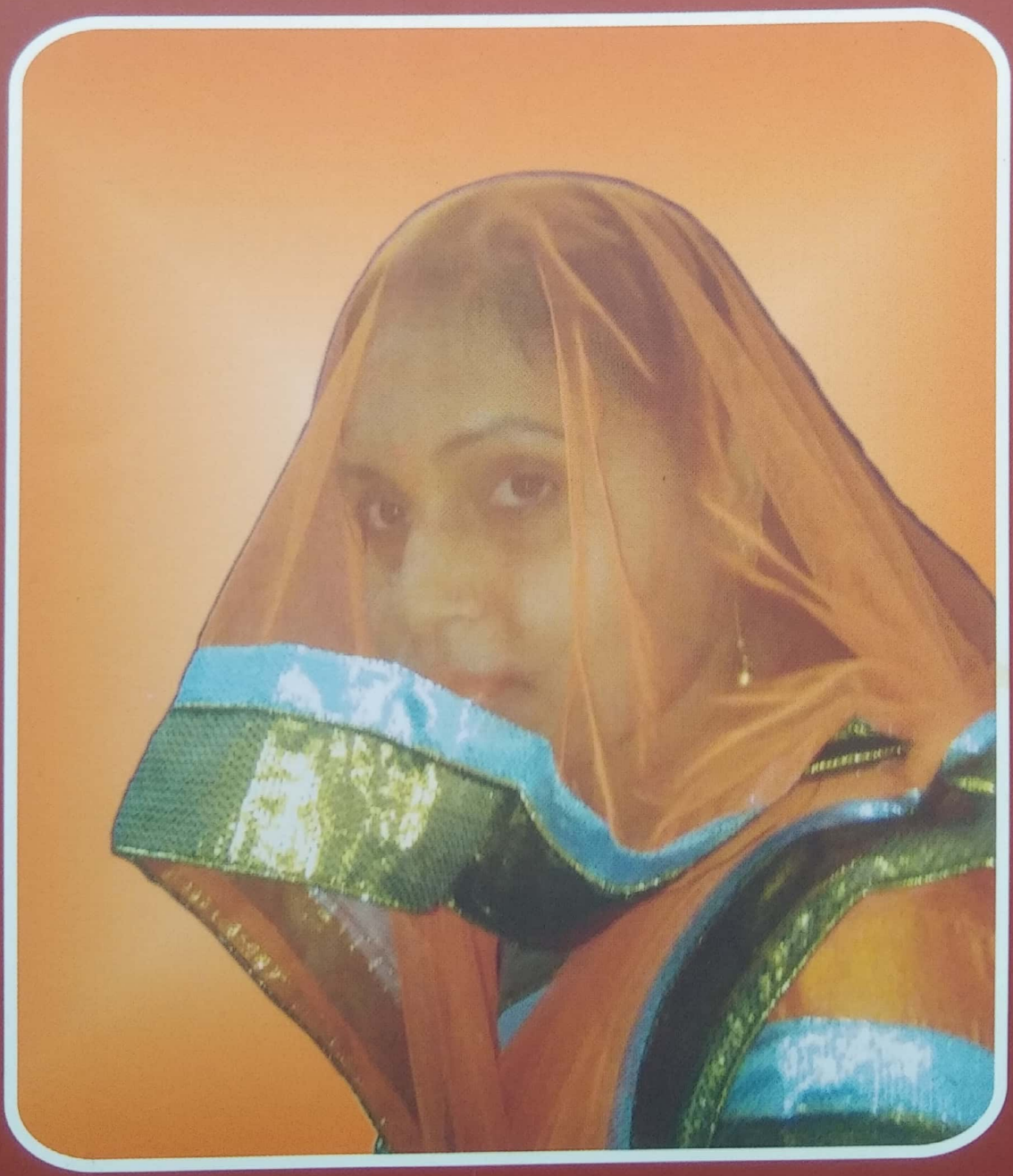

डॉ. राज गोस्वामी

Scanned with OKEN Scanner

मौं ढ़ाँकें फरिया में

(बुन्देली गीत-संग्रह)

डॉ. राज गोस्वामी

संस्करण- प्रथम 2019

सर्वाधिकार- रचनाकार

ISBN : 978-93-89399-12-7

प्रकाशक- **संदर्भ प्रकाशन**

जे-154, हर्षवर्द्धन नगर, भोपाल (म.प्र.)

रेखांकन- मदन मालवीय

आवरण व ग्राफिक्स- युगांशु मालवीय

मुद्रण- सुपर प्रिंटर्स, भोपाल

मूल्य- 150/-

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

1.	हे वाणी शारदे	15
2.	बात करत हम साँच	17
3.	अपुन तौ घर के हैं	19
4.	रैनें है सच्चे	21
5.	हमें पराई नार	22
6.	लगौ बड़ौ डंडा	23
7.	रोजइ होय फजीता	24
8.	ककयाँवते कका	25
9.	धरे हैं गधा	26
10.	खड़री खटिया पै आत	27
11.	नहिं उनके पासंग	29
12.	आओ जू गुइयाँ	31
13.	दिया मिलक रए दिवारी के	32
14.	मगरौ नई चढ़त	34
15.	काँ खों हम जाऐं	36
16.	रौब दिखा हौ तौ	38
17.	कैसे हो भइया	39
18.	फुलाऐं गलसुआ	41
19.	घर की लुगइयन नें	42
20.	मांगत जौइ दुआ	43
21.	परे दाउ साब	44
22.	जे जा रए परदेश	45
23.	मैम बड़ी चालाक	47
24.	कोउ अमीर गरीब	49
25.	जौ नइ जम रइ बात	50
26.	आजादी खों पाऐं	52

Scanned with OKEN Scanner

27.	खाऐं लेत	53
28.	मिटजै हड़फूटन	55
29.	पइसन कौ संसार	56
30.	अभिनंदन सम्मान	57
31.	खाते पीते माल	58
32.	बच कें रैनें है	59
33.	भार बनें ना यार	60
34.	तें दारूखोरा	61
35.	मौं ढ़ाँकें फरिया में	62
36.	काल गरौ फांसें	63
37.	कढ़ ना पाऐ हम	64
38.	तुम कत संग चलो	65
39.	आँखें हैं कै बटन	66
40.	ऐसी का है बात सुरेखा	67
41.	रेल सफर	69
42.	तौउ कहा है नाट	71
43.	आओ मिलें गोपी-गोपाल सें	72
44.	हमें डारनें बोट	73
45.	है मशीन प्यारी	74
46.	है इच्छा मन की	75
47.	आज बने हैं गैर	77
48.	और कितने मूढ़ पै	78
49.	वैसे नहिं भाई	79
50.	खाई जड़ी बूटी	80
51.	गैटिस से तनते हैं	81
52.	पीछे पड़े हुए	82
53.	अपनों प्यारौ हिन्दुस्तान	83

Scanned with OKEN Scanner

54. बनतें हैं अज्ञात 85
55. होय सबेरौ शाम 87
56. ओ शबरी के राम 89
57. अमरीका और रूस में 90
58. ना रह पाओगे 92
59. रूक जें सारे कार 93
60. घरें बैठो 95
61. कभउ-कभउ 96
62. जौ गत देख लगत है धक्का 98
63. देवता भये उदास 99
64. बुन्देली-बोली 101
65. ना झाँसी फाँसी 103
66. ताल और कुआ 104
67. मची हाहाकार 106
68. बुन्देलन नें जानी 107
69. कर दऔ मौं खों लाल 109
70. लटके वंदनवार 111

Scanned with OKEN Scanner

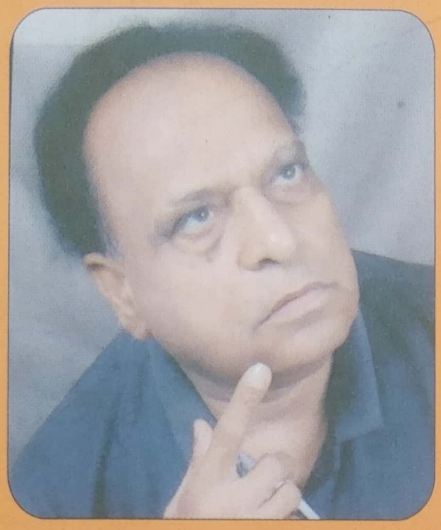

डॉ. राज गोस्वामी

पिता का नाम : पं. माधवकिशोर गोस्वामी
माता का नाम : श्रीमती रामश्री देवी गोस्वामी
जन्मतिथि : 01 जनवरी 1957 दतिया (म.प्र.)
योग्यता : एम.ए. (एल.एल.बी.) (जीवाजी वि.वि. ग्वालियर)
विशेष : महामहिम राज्यपाल श्री रामनरेश यादव द्वारा बुन्देली का जगनिक सम्मान 2014 प्रदत्त/जीवाजी वि.वि. ग्वालियर द्वारा बुन्देलखण्ड के साहित्यकार डॉ. राज गोस्वामी जी का कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर शिक्षिका श्रीमती प्रतिमा शोभने को पी.एच.डी. प्रदत्त।
सम्प्रति : जल संसाधन विभाग द्वारा सहायक पद से सेवानिवृत्त 2016
प्रकाशित कृतियां :

1. ओ मेरे मन (कविता संग्रह) 2. अनुबंधों के छंद (कविता संग्रह) 3. मम्मी की मिट्ठी (बाल कविता) 4. जटायू (खण्ड काव्य) 5. मेरी कविता यात्रा परिचय 6. वो, वीनस और मैं (अनुवाद) 7. तर्क से परे (क्षणिका संग्रह) 8. ढोगी पंडित (बाल कहानी) 9. गीता हाईकु(अनुवाद) 10. कुंभकर्ण हो गई चेतना (कविता) 11. ओंछे बार ककइ सें (बुन्देली संग्रह) 12. चन्द्रयान से जाऐंगे (बालोपयोगी संग्रह) 13. चन्दा मामा पास के 14. बाल सतसई (हाईकु) 15. गीत राज के(गीत संग्रह) 16. रामकथा चलती रहेगी (लघुकथा) 17. चिड़ियाँ चुग गईं खेत (लघुकथा संग्रह) 18. मौं ढाँकें फरिया में (बुन्देली जनगीत)।

संस्था से संबद्ध : मध्यप्रदेश लेखक संघ इकाई दतिया (जिला मंत्री)।
मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति (जिला संयोजक)।

संपर्क सूत्र : श्री सदन, उद्योग विभाग की गली, सिविल लाइन्स, दतिया (म.प्र.) 475661
मोबाइल : 9229688096, 9111804520
ई-मेल : rajgoseami129@gmail.com

संदर्भ प्रकाशन
ISBN : 978-93-89399-12-7

Scanned with OKEN Scanner